

उस्मान इब्न अफ्फान पैगंबर मोहम्मद की मृत्यु के बाद मुस्लिम उम्मत के तीसरे सरदार थे। उन्होंने 644 ई से 656 ई तक 12 वर्षों तक शासन किया। उनके शासनकाल के पहले वर्ष शांति से गुजरे लेकिन बाद के वर्षों में संघर्ष और विद्रोही आंदोलन होने लगा।



पैगंबर मुहम्मद के जन्म के लगभग सात साल बाद, उस्मान इब्न अफ्फान का जन्म कुरैश जनजात की उम्मायद कबीले में हुआ था। वे मक्का के सबसे प्रभावशाली कबीले थे और उस्मान उनके तथाकथित प्रिय लड़के थे। दखिने में अच्छे, शर्मिले और वनिमर, धनी और उदार भी, उस्मान सम्मानित, साक्षर और यात्रा करने वाले थे। उस्मान के पति एक धनी व्यापारी थे और उनकी मृत्यु तब हुई जब उस्मान छोटे थे और उन्हें एक समृद्ध व्यवसाय वरिसत में मिला।

उस्मान चौतीस साल के थे जब अबू बक्र ने उन्हें इस्लाम में बुलाया, और इतिहास हमें बताता है कि वह इस्लाम को अपनाने वाले चौथे व्यक्ति थे। अबू बक्र के आह्वान पर उस्मान की तत्काल प्रतिक्रिया निश्चिन्ता और दृढ़ विश्वास पर आधारित थी। उस्मान ने इस्लाम को जीवन जीने के एक नए तरीके के रूप में देखा जिसमें स्वयं उनके नैतिक मूल्य शामिल थे। वह इस्लाम को सदाचार का आह्वान मानते थे। उस्मान इब्न अफ्फान और पैगंबर मुहम्मद के बीच इस्लाम में भाईचारे का बंधन तब मजबूत हुआ जब उस्मान ने पैगंबर मुहम्मद की बेटी रुकय्याह से शादी की।

इस्लाम के शुरुआती दिनों में, नए धर्म के अनुयायियों के साथ दुर्व्यवहार व्याप्त था। मुसलमानों को प्रताड़ित किया जाता था और मार डाला जाता था और यहां तक कि कुरैश के प्रिय लड़के के रूप में उस्मान की स्थिति भी उनकी रक्षा नहीं कर सकी। उनके अपने ही चाचा ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और प्रताड़ित किया, उसने उस्मान के हाथ और पैर बांध कर उन्हें एक अंधेरे जगह में बंद कर दिया। इस घटना के कुछ ही समय बाद उस्मान और उसकी पत्नी रुकय्याह ने पहले हजिराह में भाग लिया। वे मुसलमानों के एक छोटे समूह का हिस्सा थे जसिने एबसिनिया में शरण ली थी। एक झूठी अफवाह सुनने के बाद कम्बिका के सभी लोगों ने इस्लाम अपना लिया है, उस्मान और कुछ अन्य मक्का वापस चले गए। वे पैगंबर के करीब बने रहे और संघर्षरत नए समुदाय का हिस्सा बने।

इस समय उस्मान ने अपने ससुर पैगंबर मुहम्मद के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए और पैगंबर मुहम्मद को कहते सुना गया कि उस्मान उनका सहायक है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मदीना में पैगंबर मुहम्मद को नए मुस्लिम उम्मत की स्थापना करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। उस्मान इब्न अफ्फान ने एक सौ छियालीस हदीसों का वर्णन किया है, और उन्हीं के कारण हम पूजा की कुछ पेचीदगियों को समझने में सक्षम हैं। उस्मान जैसे पहले थे वैसे ही अब भी उन लोगों के लिए एक माध्यम हैं जो अपने धर्म को गहरे स्तर पर

समझने की कोशिश करते हैं।

नई मुस्लिमि उम्मत और मक्का की सेना के बीच पहली लड़ाई के समय, उस्मान की पत्नी रुकैया बीमार हो गई और उनकी मृत्यु हो गई। उस्मान अपनी पत्नी की बीमारी के दौरान उसके साथ रहे और इसलिए बद्र की लड़ाई में भाग नहीं ले पाए। अपनी पत्नी को खोने पर उन्हें गहरा दुख हुआ; पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने इसके तुरंत बाद अपनी दूसरी बेटी उम्मे कुलसुम की शादी उनसे कर दी। इस प्रकार वह दो रौशनी रखने वाले व्यक्तिके रूप में वखियात हुए। तथ्य यह है कि पैगंबर मुहम्मद ने अपनी दो बेटियों की शादी उस्मान से करवाई थी, यह उस्मान के अच्छे और समझदार चरित्र और इस्लाम के नए धर्म के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है।

पूरी सुन्नत और ऐतिहासिक इस्लामी ग्रंथों में हम उस्मान की दया और उदारता का नरंतर संदर्भ पाते हैं। कहा जाता है कि हर शुक्रवार को उस्मान गुलामों को आजाद करने के लिए उन्हें खरीद लेते थे। जब मुस्लिमि सेनाएं तबुक में बाइजेंटाइन से लड़ने जा रही थीं, पैगंबर मुहम्मद ने धनी लोगों से सैनिकों का समर्थन करने और उनके लिए हथियार उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उस्मान ने 200 काठी वाले ऊंट और 200 औंस सोना भेंट किया। उन्होंने 1,000 दीनार भी दिए। पैगंबर मुहम्मद दान मांगते रहे ताकि दूसरों को उस्मान की तरह खुले दिल से दान देने के लिए प्रेरित किया जा सके। हालांकि, उस्मान ने उन सभी से ज्यादा दान दिया और हथियारों से लैस कुल 900 ऊंट दिए।^[1]

अबू बक्र और उमर दोनों के खिलाफत के दौरान, उस्मान उन दोनों के करीब रहे। उस्मान और अबू बक्र करीबी दोस्त थे और अबू बक्र के खलीफा बनने पर उमर के बाद अपनी निष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति उस्मान थे। अबू बक्र की खिलाफत के दौरान हुए छोटे युद्धों में, उस्मान अबू बक्र के डिप्टी के रूप में मदीना में रहे और उस्मान के ही सामने अबू बक्र ने अपनी वसीयत निर्धारित की। इसके बाद, उमर के प्रतिनिष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति उस्मान थे। 644 सीई में उस्मान को मुस्लिमि उम्मत का तीसरा सरदार नियुक्त किया गया था। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद, अबू बक्र और उमर के मानवीय और न्यायपूर्ण शासन को जारी रखा।

फुटनोट:

[1]

दी सीलड नेक्टर। सफ़ी उर रहमान अल मुबारकपुरी

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/235>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।